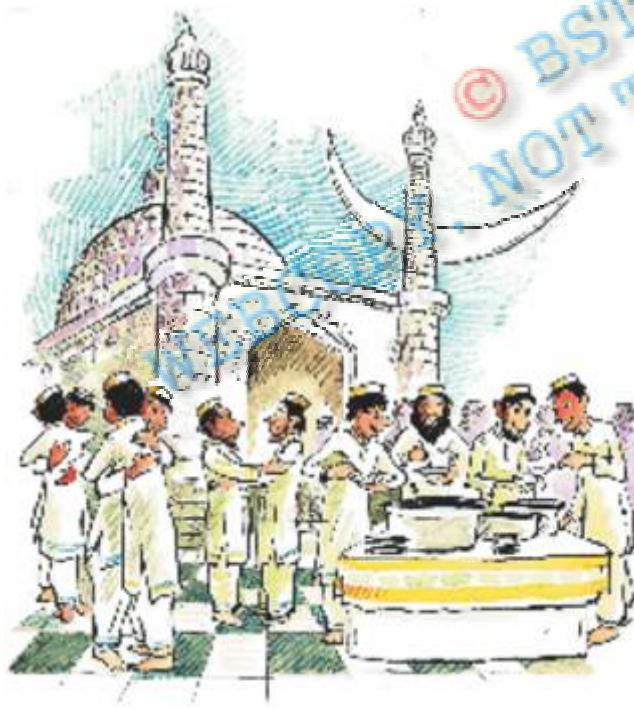
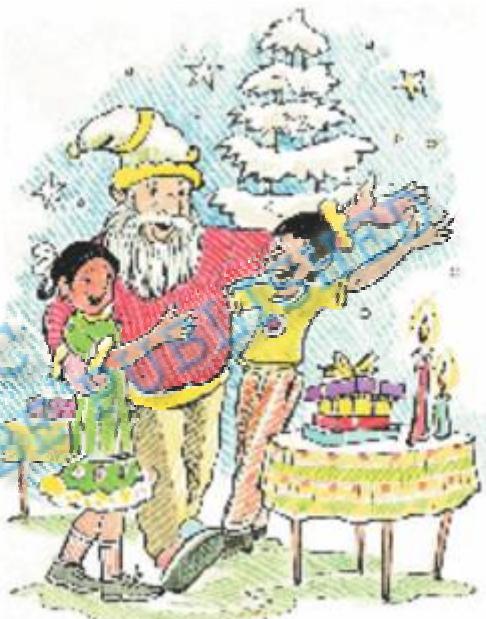


पाठ 4

त्योहार और भोजन

1. नीचे कुछ त्योहारों के वित्र बने हैं। प्रत्येक के नीचे उनका नाम लिखिए।



2. इन त्योहारों के उलाव भी बहुत सारे श्रेष्ठीय पर्व और त्योहार होते हैं, जिनको लोग निल-जूलकर मनाते हैं। आपके यहाँ और कौन-जौन से त्योहार मनाए जाते हैं?

तरह—तरह के पकवान

ब्रह्मेक पर्व त्योहार ले मौके पर खास तरह के पकवान बनाए जाते हैं। सब मिलाकर साथ में खाना खाते हैं। नए—नए कपड़े व तरह—तरह के पकवानों का यूरा मज़ा तो आप लेग उठाते हैं।

3. आपको कौन रा त्योहार चाबते अच्छा लगता है? इस दिन घर में कौन—कौन से पकवान बनाए जाते हैं?

4. नीचे रारणी में कुछ पकवानों के नाम दिए गए हैं। आपने बताना है कि दो पकवान किस त्योहार पर बनाए देखा जाते हैं?

क्र.सं.	पकवान	त्योहार
1.	बुआ	
2.	रातू	
3.	लड्यावान का लावा	
4.	दहू, बूँदा, मिलफूँ	
5.	रेट—मलीदा	
6.	केक	
7.	सिंचडी	
8.	हलवा	
9.	गड्ढुआ की रोटी	
10.	झिंगी की तरबारी	

भोज—मात



5. शादी—विवाह में भी रसो—चरण के पलवान बनते हैं। आप भी किसी शादी—विवाह में गए होंगे। वहाँ आपने क्या—क्या खाया?

6. घर में, घर के सदस्य मिलकर खन बनाते हैं। शादी—विवाह में भोजन कौन—कौन बनाता है?

7. इतने लोगों को गोजन एक साथ कैसे खिलाया जाता है?

8. जूले बत्तिनों की संख्या कौन करता है?

विद्यालय में भोजन

9. क्या आपके विद्यालय ने शी एक साथ गोजन कराया जाता है? अगर हाँ, तो बताइए—

(i) आप विद्यालय में किसा रागद गोजन करते हैं? _____

(ii) आपके विद्यालय में गोजन कौन बनाता है? _____

(iii) आपके विद्यालय में भोजन कैसे प्रेसा जाता है? _____

(iv) आपके विद्यालय ने किस दिन कौन-कौन सा गोजन प्रोस्त जाता है?

क्र.सं.	दिन	जाने की यीज
1.	सोमवार	
2.	नंगलवार	
3.	बुधवार	
4.	बुहुसन्तिवार	
5.	शुक्रवार	
6.	शनिवार	

VKIDS FOKY; ESA NKSIGJ DK HKKSTU FEYRK GKSXKA DQN ,SLS HKH
VKOKLH; FOKY; GSA] TGK CPPS JGDJ I+RS GSAA MUDS LQCG& KKE]

10. (i) क्या आपके आस-पास कोई आवासीय विद्यालय है? _____

- (ii) आपस में चर्चा करके लिखिए कि जावासीय विद्यालयों में भोजन जौ व्यवस्था किस त्रिकार की जाती है?
-
-
-



पटना राहिब हर मंदिर का चित्र



लंगर खाते गक्ता

सिक्खों के पूजन स्थल को गुरुद्वारा कहा जाता है। पटना साहिब में जहाँ सिक्खों के दसरे गुरु "गुरु गोविन्द सिंह" का जन्म हुआ था, वहाँ एक बहुत बड़ा गुरुद्वारा है, जो ताखत हरमंदिर साहिब कहलाता है। यहाँ सभी श्रद्धालु भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था होती है, जिसे लंगर कहा जाता है। लंगर में रागी लोग एक-राथ बैठकर भोजन करते हैं। भोजन रागग्री लाने, धोने, काटने, पकाने एवं परोराने का काग राभी मिलकर करते हैं। बतोनों की सफाई का कार्य भी लोग स्वयं ही करते हैं। लंगर की पूरी व्यवस्था लोगों के सहयोग पर आधारित होती है।